

योग्यता हमेशा नाम के बाद प्रयोग करते हैं।

योग्यता

नियम (Viii) यदि किसी वाक्य में कालवाचक और स्थानवाचक विशेषण प्रयुक्त हों, तो कालवाचक विशेषण हमेशा पहले और स्थानवाचक विशेषण हमेशा बाद में प्रयोग किया जाता है।

जैसे- मैं प्रातः चार बजे मंदिर जाता हूँ।
↑ ↑
कालवाचक स्थानवाचक
सीमा प्रातः दस बजे विद्यालय जाती हूँ।
↑ ↑
काल स्थान

नियम (ix) कारकों का क्रम:-

सम्बोधन + कर्ता + अधिकरण + सम्बन्ध + अपादान +
 (8) (1) (7) (6) (5)

सम्प्रदान + कृता + कर्म + क्रिया
 (4) (3) (2)

जैसे- हे बच्चो ! कृष्ण हमेशा गोकुल से नन्दगाँव धूमने के लिए
रथ से जाता है।
 सम्बोधन कर्ता अधिकरण अपादान सम्प्रदान
 कृता

② पद से सम्बन्धित अशुद्धि -

नियम-(i) जब किसी वाक्य में एक से अधिक कर्ता असमान लिंग और एकवचन में प्रयुक्त हों, तो वाक्य में प्रयुक्त क्रिया निम्नानुसार प्रयुक्त होती है।

जैसे- सीमा, रीमा व मोहन पुस्तक पढ़ रहा है।

→ पुल्लिंग
→ एकवचन

→ पुल्लिंग
→ एकवचन

> अन्तिम कर्ता नुसार

सीमा, मोहन व सीमा पढ़ रही हैं।

→ स्त्री०

→ एकवचन

→ स्त्री०

→ एकवचन

अन्तिम कर्तानुसार

मोहन, सीमा व सीमा सभी पढ़ रहे हैं।

→ पुल्लिङ्ग

→ बहुवचन

सभी के अनुसार

नियम (ii)

जब किसी वाक्य में कर्ता के साथ ने, परसर्ग जुड़ा हो और एक से अधिक कर्म प्रयुक्त हों, तो वाक्य में प्रयुक्त क्रिया अन्तिम कर्म के अनुसार प्रयुक्त होती है।

जैसे- राकेश ने पुस्तक, पेंसिल और थैला खरीदा।
राकेश ने थैला, पेंसिल व पुस्तक खरीदी।

> अन्तिम कर्म के अनुसार

राकेश ने पेंसिल, शैला व पुस्तकें खरीदीं। → अन्तिम कर्म के अनुसार

→ स्त्री०

→ स्त्री०

→ बहु०

→ बहु०

राकेश ने पुस्तक, पेंसिल व शैले खरीदे। → अन्तिम कर्म के अनुसार

→ पुं०

→ पुं०

→ बहु०

→ बहु०

नियम- (iii) यदि किसी वाक्य में कर्ता और कर्म दोनों ही परसर्ग सहित हों अर्थात् कर्ता के साथ 'ने' परसर्ग और कर्म के साथ 'को' परसर्ग जुड़ा हो तो वाक्य में प्रयुक्त क्रिया न तो कर्ता के अनुसार और न ही कर्म के अनुसार प्रयुक्त होगी है बल्कि भाव के अनुसार पुल्लिंग, स्तकवचन, अन्यपुरुष में होगी है।

जैसे - कृष्ण ने राधा को देखा। → पुल्लिंग
 राधा ने कृष्ण को देखा। → स्तकवचन
 कृष्ण ने ग्वालों को देखा। → अन्य पुरुष
 ग्वालों ने कृष्ण को देखा।